सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 241 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।

-सम्राट अशोक

मुस्लिम-यादव गठजोड़ कर चार बार... 2 | यूपी में संजीवनी की तलाश में... 3 | भाजपा के खिलाफ खुलकर लड़नी... 7

नेताजी के अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब, नम आंखों से दी विदाई

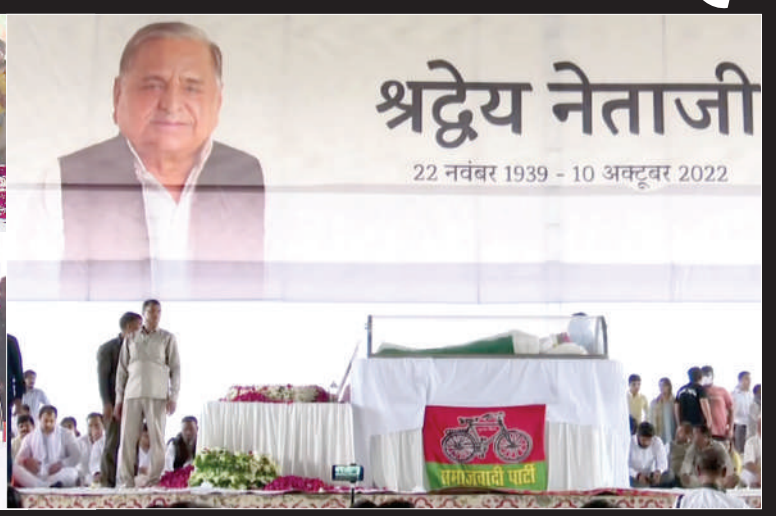

» विभिन्न दलों के प्रमुखों, नेताओं और मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

» देश भर से पहुंचे समर्थक राजकीय सम्मान के साथ दी गयी विदाई

» कल मेदांता अस्पताल में मुलायम सिंह यादव ने ली थी अंतिम सांस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सैफई। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के अंतिम दर्शन के लिए सैफई के मेला ग्राउंड में जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोगों ने अपने प्रिय नेता को नम आंखों से विदाई दी। नेताजी के पार्थिव शरीर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। इससे पहले विभिन्न दलों के दिग्गज नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुलायम सिंह यादव ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोमवार को अंतिम सांस ली थी। वे 82 साल के थे। कल शाम उनका पार्थिव शरीर सैफई लाया गया था। देर रात से लोग अपने प्रिय नेता के अंतिम दर्शन के लिए पहुंचते रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ भी सैफई कोठी पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, केशव मौर्य और सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण और सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने नेताजी के अंतिम दर्शन किए। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू ने नेताजी को श्रद्धांजलि दी। शिवपाल यादव और रामगोपाल यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी सैफई पहुंचे। इसके अलावा नेताजी के अंतिम दर्शन के लिए देशभर से नेता और उनके प्रशंसक सैफई पहुंचे। जनेश्वर मिश्र की बेटी मीना और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने भी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान नेताजी अमर रहें, के नारों से आसमान गूंजता रहा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अंतिम संस्कार से पूर्व की विधियां पूरी कीं। दूसरी ओर हवाई पट्टी पर वीवीआईपी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल को तैनात किया गया। खबर लिखे जाने तक नेताजी के अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। आज अंतिम संस्कार होगा।

मुलायम सिंह को श्रद्धांजलि देने पहुंचे आजम खां, भावुक हुआ परिवार

समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव के पार्थिव शरीर का दर्शन करने के लिए सपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव आजम खां भी पहुंचे। उनके साथ उनके बेटे अब्दुल्ला आजम भी थे। आजम खां के पहुंचते ही मुलायम सिंह का पूरा परिवार भावुक हो गया। आजम खां खुद लंबे समय से बीमार चल रहे हैं लेकिन नेताजी के साथ उनका गहरा लगाव था। मुलायम सिंह के निधन के बाद आजम खां सरगंगाराम अस्पताल से अपने घर रामपुर पहुंचे। इसके बाद सैफई के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अखिलेश यादव से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान अखिलेश यादव उन्हें सहारा देते नजर आए। आजम खां सपा के संस्थापक सदस्य रहे हैं। यूपी में जब-जब सपा की सरकार बनी है, आजम खां ने बडे-बड़े मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली है।

जस्टिस चंद्रचूड़ होंगे सुप्रीम कोर्ट के अगले चीफ जस्टिस

» सीजेआई यूयू ललित ने सरकार को भेजा नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) यूयू ललित ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर सबसे सीनियर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नाम की केंद्र सरकार से सिफारिश की है। सरकार ने 7 अक्टूबर को सीजेआई को एक पत्र भेजकर उनसे अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश करने को कहा था।

सीजेआई यूयू ललित ने आज सुबह सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों को जजेस लाउंज में आमंत्रित किया और अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस चंद्रचूड़ के नाम की सिफारिश की जानकारी दी। उन्होंने सरकार को भेजे पत्र की प्रतिलिपि जस्टिस चंद्रचूड़ को सौंपी। जस्टिस चंद्रचूड़ 9 नवंबर 2022 को पदभार संभालेंगे। वरिष्ठता सूची के अनुसार जस्टिस चंद्रचूड़ मौजूदा सीजेआई के बाद सबसे वरिष्ठ हैं।

नीतीश पर बरसे शाह, बोले, सत्ता के लिए त्याग दिया जेपी के विचारों को

» केंद्रीय गृहमंत्री ने जेपी की आदमकद प्रतिमा का किया अनावरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। केंद्रीय गृहमंत्री व भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने बिहार व यूपी के सीमावर्ती सिताब दियारा में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली में आयोजित उनके जयंती समारोह में शिरकत की और उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। अमित शाह ने बिहार की नई महागठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने सत्ता के लिए जेपी के विचारों को त्याग दिया है।

उन्होंने कहा कि वे बात जेपी की करते हैं और जिस कांग्रेस से जेपी ने लड़ाई लड़ी, उसी की गोद में जा बैठे हैं। जेपी ने जीवन भर सत्ता के लिए कुछ नहीं किया। आज लोग सत्ता के लिए पाला बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेपी ने समाजवाद व जाति विहीन समाज की परिकल्पना की। आजादी के बाद सत्ता में आने के बदले सत्ता से दूरी बनाई। यहां जेपी की आदमकद प्रतिमा लगाई गई है। इसे लगाने का प्रण प्रधानमंत्री ने किया था। आज वो प्रण पूरा हुआ है।

स्वार्थी बनकर देश को बड़ा नहीं बना सकते : भागवत

» संघ दे सकता भाजपा को चुनावी एजेंडा पर संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि देश को बड़ा बनाना है, तो हमें अच्छा और संस्कारी बनना होगा। स्वार्थी बनकर देश को बड़ा नहीं बनाया जा सकता। साथ में मिलकर एक दूसरे के साथ आगे बढ़ना ही संघ है। कहा कि संघ में घोष वादन का मतलब सबको साथ लेकर चलना है। संघ प्रमुख ने कानपुर में कहा कि समाज में दस प्रतिशत लोग ही संत समान होते हैं, और इतनी ही संख्या में दुष्ट लोग भी मिल जाएंगे। बाकी 80 प्रतिशत संख्या ऐसे लोगों की होती है जो अच्छा बनना चाहते हैं इसके लिए वह अपने सामाजिक परिवेश से सीखते हैं। जिस तरह से समाज से बहुत कुछ सीखने को मिलता है, उसी तरह संगीत भी हमारी संस्कृति का हिस्सा सनातन से रहा है।

अपने देश में युद्ध में भी रस संस्कृति रही होगी, क्योंकि युद्ध में वादन का उल्लेख मिलता है। शंख और बिगुल उद्घोष के प्रतीक माने जाते हैं। इसके अलावा भी कई वाद्यों के नाम आते हैं, जो बीच में विलुप्त हो गए थे। अब वे परंपराएं जीवित हो गई हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक इस बार प्रयागराज में होने जा रही है। बैठक 16 से 19 अक्टूबर तक होगी। बैठक में सामाजिक समरसता व देश के मौजूदा हालात पर चर्चा होगी। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत अन्य अखिल भारतीय अधिकारी शिरकत करेंगे। इसके अलावा वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिहाज से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की प्रयागराज में होने वाली बैठक काफी महत्वपूर्ण हो सकती है। इसमें संघ की ओर से भाजपा को अपना चुनावी एजेंडा तय करने के संकेत दिए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि बेरोजगारी, महंगाई और जनसंख्या को लेकर राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़े यात्रा के दौरान सरकार के प्रति की जा रही तल्ख टिप्पणियों को लेकर संघ गम्भीरता से लेते हुए भाजपा को कुछ सन्देश भी दे सकता है।

16 से 19 अक्टूबर तक प्रयागराज में बैठक

बीते दिनों संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जहां एक ओर जनसंख्या नियंत्रण पर बयान देकर प्रतिक्रियावादियों को मौका दे दिया तो वहीं मुस्लिम स्कॉलर्स से संवाद कायम करके समाज की नब्ज टटोलने का भी प्रयास किया। उधर, प्रयागराज में संघ की बैठक में भागवत व होसबले की उपस्थिति भाजपा की चुनावी रणनीति को दिशा दे सकती है तो संघ भी लीक से हटकर कार्यशैली और मुद्दों को लेकर नई इबारत लिख सकता है। यह बैठक 16 से 19 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें 45 प्रांतों के प्रांत संघ चालक तथा प्रचारक शामिल होंगे। संघ का 2025 शताब्दी वर्ष होगा, जिसकी तैयारी पर भी चर्चा होगी। संघ में हुआ बदलाव सिर्फ स्वयंसेवकों की पोशाक तक सीमित नहीं माना जा रहा है। अब नई तकनीक से प्रचारतंत्र पर जोर है।

मुस्लिम-यादव गठजोड़ कर चार बार यूपी में बनाई सरकार

» यादवों को गोलबंद करने में रहे कामयाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखाड़े में पहलवानी व शिक्षक की नौकरी करने के बाद राजनीति में आए मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने को न सिर्फ अच्छे से समझते थे, बल्कि उन्होंने राजनीति में इसका सफल प्रयोग भी किया। प्रदेश की राजनीति में पिछड़ी जातियों व खासकर यादवों की गोलबंदी कर उन्होंने पांच दिसंबर, 1989 को पहली बार सरकार बनाई। अयोध्या आंदोलन के समय मुख्यमंत्री मुलायम ने चेतावनी दी थी कि 'बाबरी मस्जिद गिराना तो दूर, मस्जिद के आसपास परिंदा भी पर नहीं मार सकता है।

मुलायम ने अपने इस वचन के पालन में विवादित ढांचे की ओर बढ़ रहे कारसेवकों पर 30 अक्टूबर व दो नवंबर, 1990 में गोलियां चलवा दी थीं। इसके बाद वे मुसलमानों के भी बड़े नेता बन गए। यहीं से उन्हें राजनीति में नया नाम 'मुल्ला मुलायम' भी मिला। वर्ष 1990 में जब मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू हुईं तो पिछड़ों की एकता और अगड़ी जातियों से उनके हिंसक विरोध का स्तर बढ़ा। इसी के साथ पिछड़ी जातियों के अपने-अपने नेतृत्व खड़े होने शुरू हो गए। इसी दौरान पिछड़ों में आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक रूप से मजबूत जाति यादव को प्रदेश में मुलायम सिंह यादव गोलबंद करने में कामयाब हो गए। अयोध्या में गोलीकांड के बाद मुलायम को मुस्लिमों का भी समर्थन मिल गया। हालांकि इसके बाद वर्ष 1991 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी हार गई। मुलायम ने चार अक्टूबर, 1992 को अपना नया दल समाजवादी पार्टी के नाम से बनाया। छह दिसंबर, 1992 को कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अयोध्या में विवादित ढांचा गिरा दिया गया। इस घटना के बाद यूपी का मुस्लिम समाज, मुलायम सिंह और समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ गया और प्रदेश की राजनीति में एक नया चुनावी समीकरण मुस्लिम-यादव (एम-वाई) उभरकर आया। पार्टी बनाने के करीब एक वर्ष बाद 1993 में मुलायम ने कांशीराम के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा और बाद में छोटे दलों के समर्थन से सरकार बना ली।

सीएम की कुर्सी बेटे अखिलेश को सौंपी

करीब 20 प्रतिशत मुस्लिम व 12 प्रतिशत यादव मतदाताओं के गठजोड़ ने मुलायम को तीन बार मुख्यमंत्री की गद्दी पर बिठाया। चौथी बार मुलायम ने मुख्यमंत्री की कुर्सी अपने बेटे अखिलेश को सौंप दी। सपा के मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण ही उनके राज में प्रदेश में मुख्तार अंसारी व अतीक अहमद जैसे माफिया भी पनपे, लेकिन मुलायम ने कभी इसकी परवाह नहीं की। मुलायम राजनीति के एम-वाई गठजोड़ के साथ आगे बढ़ते चले गए।

अशिक्षित लोग बढ़ाते हैं जनसंख्या : हसन

» जाति व्यवस्था पर मोहन भागवत के बयान बिल्कुल ठीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सांसद डॉ. एसटी हसन ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जाति और वर्ण व्यवस्था को खत्म कर देने वाले बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बयान बिल्कुल ठीक दिया है। आज के दौर में जाति और वर्ण व्यवस्था को खत्म कर देना चाहिए क्योंकि मैं इस्लाम का मानने वाला हूं। इस्लाम ने तो यह व्यवस्था चौदह सौ साल पहले ही समाप्त कर दी थी। इस्लाम में किसी व्यक्ति को श्रेष्ठता उसकी जाति के आधार पर नहीं है। इस्लाम में गोरे को काले पर या अरबी को गैर अरबी पर श्रेष्ठता नहीं है, बल्कि इंसान को उसकी ईश्वर की इबादत के आधार पर श्रेष्ठता है। सपा सांसद ने संघ प्रमुख के जनसंख्या नियंत्रण नीति वाले बयान का भी स्वागत किया। एसटी हसन ने कहा कि जनसंख्या कोई एक विशेष धर्म के लोग नहीं बढ़ाते हैं बल्कि अशिक्षित लोग बढ़ाते हैं। जैसा कि इल्जाम लगाया जाता है और हमारे हिंदू भाइयों को डराया जाता है कि मुसलमानों की जनसंख्या बहुत बढ़ जाएगी यह गलत है।

स्वामी प्रसाद मौर्य के निजी सचिव समेत समेत 12 पर मुकदमा

» जानलेवा हमला और छेड़छाड़ का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक अपार्टमेंट में रहने वाली महिला ने गोमतीनगर कोतवाली में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के निजी सचिव सज्जाद और 12 अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमले और छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। महिला के मुताबिक यह सारी घटना सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के घर में हुई। पीड़िता का आरोप है कि सज्जाद ने उनकी बहन को फंसा लिया। इसके बाद लव जिहाद कर जीवन बर्बाद करने की धमकी भी दी थी।

पीड़िता के मुताबिक उनकी बहन सरकारी विभाग में अधिकारी हैं। पीड़िता वह जिस अपार्टमेंट रहती है वहां सज्जाद भी रहते हैं। सज्जाद ने बहन को अपने जाल में फंसा लिया। उसने जब विरोध किया तो लव जिहाद और पूरे परिवार को बर्बाद करने की धमकी दी। पीड़िता सज्जाद की शिकायत लेकर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के पास जाने के लिए प्रयासरत थी पर उनसे मुलाकात नहीं हो पा रही थी। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के आस पास और रास्ते में लगे सीसी कैमरों की भी पड़ताल की जा रही है। पीड़िता का आरोप है कि सज्जाद ने धमकाते हुए कहा कि वह पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) का सदस्य है। वह उसे और उसके पूरे परिवार को बर्बाद कर देगा। उनका बहुत बड़ा नेटवर्क है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अब राशन की दुकानों पर भी मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

» दिवाली से पहले योगी सरकार का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में अब राशन की दुकानों पर भी एलपीजी सिलेंडर मिल सकेगा। ये एलपीजी सिलेंडर 5 किलोग्राम का होगा। उपभोक्ता राशन की दुकानों पर उचित दर पर सिलेंडर खरीद सकेंगे. इसे लेकर विशेष सचिव दिव्य प्रकाश गिरी ने खाद्य आयुक्त को पत्र भेजा है, लेकिन किसी भी पीओएस पर 100 किलोग्राम से अधिक स्टॉक नहीं रखा जा सकेगा। यहां से सिलेंडर की बिक्री और रिपेयरिंग दोनों हो सकेगी।

उपभोक्ताओं को ऑयल कंपनियों द्वारा तय प्रेशर रेगुलेटर का इस्तेमाल करना होगा। रेगुलेटर की बिक्री सिर्फ सिलेंडर के साथ होगी। एलपीजी वितरकों द्वारा उचित दर पर विक्रेताओं से अनुबंध करते हुए उन्हें पॉइंट ऑफ सेल के रूप में नियुक्त किया जाएगा। देश भर में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम सस्ते हो गए हैं। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई कमी नहीं आई है। कमर्शियल सिलेंडरों के दाम में 26 रुपए की कटौती हुई है। पहले लखनऊ में कमर्शियल सिलेंडर 1945.5 रुपए में मिल रहे थे। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में हुई कमी के बाद राजधानी लखनऊ में एक सिलेंडर की कीमत 1920 रुपए हो गई है।

यूपी में संजीवनी की तलाश में कांग्रेस जातीय समीकरण पर किया फोकस

» विभिन्न जाति और धर्म से बनाए छह प्रांतीय अध्यक्ष पुराने वोटरों की वापसी की आस

» दलित को प्रदेश अध्यक्ष बना चला बड़ा दांव, लोक सभा चुनाव से पहले जमीन मजबूत करने की जुगत

गीताश्री

लखनऊ। पिछले तीन दशकों से यूपी में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस लगातार नए प्रयोग कर रही है। पार्टी नेतृत्व ने दलित दांव चलते हुए एक ओर बृजलाल खाबरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है तो दूसरी ओर जातीय-क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए पहली बार ब्राह्मण, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और भूमिहार बिरादरी के छह प्रांतीय अध्यक्ष बनाए हैं। माना जा रहा है कि लोक सभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने यह दांव चलकर इन वर्गों के वोटरों को साधने की कोशिश की है। हालांकि यह प्रयोग कितना सफल होगा यह तो चुनाव परिणामों के बाद पता चलेगा लेकिन पार्टी नेताओं का मामना है कि इससे कांग्रेस को प्रदेश में संजीवनी मिलेगी।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का सियासी वनवास खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। चुनावों में पराजय दर पराजय मिल रही है। यही नहीं 2019 के लोक सभा चुनाव में अपनी परंपरागत सीट अमेठी से राहुल गांधी हार गए और राज्य में पार्टी केवल रायबरेली सीट तक सिमट कर रह गई। इसके बाद विधान सभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदेश की कमान संभाली। हालांकि उनकी सक्रियता का कोई खास फायदा विधान सभा चुनाव में नहीं मिला और पार्टी महज दो सीटों पर सिमट गयी। लिहाजा पार्टी ने एक बार फिर नया प्रयोग किया है। जहां जातीय-क्षेत्रीय समीकरण साधने को भाजपा ने पिछड़े वर्ग की जाट बिरादरी से भूपेंद्र सिंह चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी तो सपा ने पिछड़ी जाति की कुर्मी बिरादरी के नरेश उत्तम पटेल को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने की घोषणा की। अति पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले मऊ के भीम राजभर पहले से बसपा के प्रदेश अध्यक्ष बने हुए हैं। ऐसे में पहले असफल हो चुके तमाम प्रयोगों के बाद कांग्रेस ने सियासी वनवास खत्म करने के लिए तीन दशक बाद दलित पर दांव चलते हुए बृजलाल खाबरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही जातीय-क्षेत्रीय संतुलन साधने के प्रयास में पहली बार ब्राह्मण, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और भूमिहार बिरादरी के छह प्रांतीय अध्यक्ष बनाने का प्रयोग कर नया दांव चला है ताकि इन बिरादरी के वोट बैंक में सेंध लगाई जा सके। आखिर जिस बुंदेलखंड से खाबरी आते हैं, वहां उन्होंने कांग्रेस को कितना मजबूत किया? खुद भी चुनाव जीतने के करीब तक नहीं पहुंचे। फिर भी उन्हें तमाम चुनौतियों से हांफती कांग्रेस की नैया पार कराने की पतवार सौंपी गई है। खाबरी, कांग्रेस के लिए दिन-रात एक करने के साथ अपना खून बहाने को तैयार हैं, फिर भी उनसे बेहतर प्रदर्शन को लेकर कांग्रेसी ही सशंकित हैं।

भीतरघात की आशंका

आशंका जताई जा रही है कि नए प्रयोग से पार्टी नेतृत्व को कहीं अधिक घातक आंतरिक चुनौती से भी जूझना पड़ेगा। अब यह खाबरी सहित अन्य प्रांतीय अध्यक्षों के लिए परीक्षा होगी कि वह हाशिये पर रख दिए गए मूल कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के असंतोष को कैसे खत्म करेंगे। कहीं भितरघात ने संगठन में पांव पसारे तो उसका सीधा असर लोक सभा चुनाव पर पड़ेगा।

प्रियंका के प्रयोग असफल ही रहे

वर्ष 2022 के विधान सभा चुनाव से पहले प्रियंका ने 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के नारे के साथ एक प्रयोग करते हुए 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने की घोषणा की। कांग्रेसी प्रियंका के निर्णय को मास्टर स्ट्रोक बताते रहे। इतने प्रयोगों के साथ चुनावी दंगल में उतरी कांग्रेस को बड़े चमत्कार की उम्मीद थी, लेकिन कांग्रेस की डूबती नैया पार लगाने के प्रियंका के प्रयोग असफल ही रहे। राज्य की 403 सीटों वाली विधान सभा में पहले सात विधायकों वाली पार्टी, केवल दो सीट और दो प्रतिशत वोट पर सिमट गई। केवल एक कांग्रेसी महिला विधान सभा तक पहुंची। हार का ठीकरा अजय कुमार लल्लू के सिर फोड़ा गया। अपनी सीट तक न बचा सके लल्लू को त्यागपत्र देना पड़ा। अब लगभग डेढ़ वर्ष बाद लोक सभा चुनाव होना है। यूपी की 80 लोक सभा सीटों के महत्व को देखते हुए भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस नए सिरे से तैयारी में जुटी है।

विपक्ष को पटखनी देने की जुगत में भाजपा पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार

अच्छे नंबर वालों को ही मिलेगा टिकट

» जातिगत समीकरणों पर भी फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर सत्ता में पहुंची भाजपा ने लोक सभा से पहले निकाय चुनाव के लिए कमर कस ली है। विपक्ष को पटखनी देने की तैयारी में भाजपा जुट गई है। टिकट वितरण के लिए विशेष रूप से कार्ययोजना तैयार की गई है। तमाम पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कराया गया है। जनता की राय ली गई है। इसके आधार पर पार्षदों को अंक दिए गए हैं। इन्हीं अंकों के आधार पर आगामी चुनाव में पार्टी नेताओं को टिकट मिलेगा। लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया गया। जनता की कसौटी पर फेल रहे पार्षदों का टिकट कटना लगभग तय माना जा रहा है।

2017 में सूबे के 16 में से 14 नगर निगमों पर भाजपा को जीत मिली थी। मेरठ और अलीगढ़ में मेयर का पद बीएसपी को गया था। हालांकि, मेरठ की मेयर बाद में सपा में शामिल हो गई थीं। इस बार भाजपा की नजर सभी 17 निगमों के मेयर पद पर है। इसके लिए पार्टी के शीर्ष अधिकारियों सहित सभी मोर्चा और प्रकोष्ठों के साथ बैठक कर फतह की रणनीति समझाई गई। पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए गए सेवा पखवाड़े में बूथ तक अपनी रणनीति पहुंचाने में भाजपा को कामयाबी मिल रही है। अब निकाय चुनाव में पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कराए गए हैं। जनता की कसौटी पर खरे नहीं उतरने वाले काफी पार्षद टिकट से वंचित रह जाएंगे। रणनीति के जुड़े पदाधिकारी की मानें तो भाजपा पार्षदों का पांच साल का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया गया है। किस पार्षद का जनता से कैसा जुड़ाव है? संगठन के कार्यों में उनकी भूमिका क्या रहती है? अपने क्षेत्रों में पांच साल में कितना काम कराया है? जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के साथ उनका संबंध कैसा है? हर सवाल के जवाब तलाशे गए हैं। इसके आधार पर ही पार्षदों का भविष्य तय होगा। सक्रिय पार्षदों को दोबारा मौका दिया जा सकता है। इसके साथ ही वार्डों के जातिगत समीकरण, पिछले साल का आंकड़ा भी इकट्ठा किया गया है। महापौर पद के लिए भी जातीय समीकरण के आधार पर लखनऊ की मीटिंग में तस्वीर पेश की जाएगी।

चुनाव प्रभारी नियुक्त

भाजपा संगठन ने सभी 17 नगर निगमों के लिए चुनाव प्रभारी, सह-प्रभारी और चुनाव संयोजक का ऐलान कर दिया है। इसकी जिम्मेदारी मंत्रियों के साथ-साथ विधायकों, राज्यसभा सांसद, एमएलसी और प्रदेश महामंत्री को भी नगर निकाय चुनाव में प्रभारी या सह प्रभारी बनाया गया है। भाजपा के टारगेट में नगर निकाय की भी सभी सीटों पर भगवा फहराने का है अगर ऐसा हुआ तो आने वाले लोस चुनाव 2024 में इसका काफी असर रहेगा। नगर निगमों में सफलतापूर्वक चुनाव कराने की जिम्मेदारी के लिए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कई नामों पर मुहर लगाई है। इसमें प्रभारी और सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दूसरे जिलों से संबंध रखने वाले नेता संभालेंगे जबकि संयोजन का दायित्व स्थानीय नेता को दिया गया है।

नियुक्त किए जा सकते पन्ना प्रमुख

निकाय चुनाव में भी इस बार लोक सभा और विधान सभा चुनाव की तरह चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी बनाए जाने के साथ पन्ना प्रमुख भी बनाने पर विचार किया जा रहा हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी लगातार अपने दौरे पर यूपी के सभी 17 नगर निगम जीतने का दावा हर जिले में कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बाढ़-बारिश और किसानों की त्रासदी

बाढ़ और बारिश ने यूपी के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पहले कम और अब अति वृष्टि उनकी फसलों को चौपट कर रही है। लगातार हो रही बारिश के कारण धान, गन्ना और दलहनी फसलों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। रही सही कसर बाढ़ ने पूरी कर दी है। बाढ़ के कारण लाखों हेक्टेयर क्षेत्रफल में लगी फसलें डूब गयी हैं। इसकी चपेट में आकर तमाम पशु भी मारे गए हैं। जाहिर है इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ना तय है। वहीं सरकार के निर्देशों के बावजूद प्रभावित लोगों तक राहत नहीं पहुंच पा रही है। सवाल यह है कि अतिवृष्टि और बाढ़ से निपटने के लिए सरकार अपनी पुरानी राहत सामग्री बांटने वाली नीति पर क्यों चल रही है? इन आपदाओं का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाला जा रहा है? विश्व व्यापी अन्न संकट के समय फसलों का नष्ट होना क्या सरकार के लिए चिंता का विषय नहीं है? क्या किसानों को समय रहते अतिवृष्टि और कम बारिश की जानकारी देने की समुचित व्यवस्था नहीं की जा सकती है? क्या ऐसे ही किसानों की आय को दोगुना किया जा सकेगा?

हर मानसून में प्रदेश को कमोवेश बारिश और बाढ़ का कहर झेलना पड़ता है। प्रदेश सरकार भी इसके लिए पुराने राहत और बचाव कार्य की तैयारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती है। इस बार मानसून के उतार-चढ़ाव के कारण किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी है। कम बारिश होने के कारण कई जिले सूखे की चपेट में आ गए और धान की खेती का रकबा घट गया। जहां किसानों ने किसी तरह धान की फसल उगा ली तो अतिवृष्टि उनकी चिंताएं बढ़ा रही है। बाढ़ के कारण फसलें जलमग्न हो गयी हैं। इससे आशंका उत्पन्न हो गयी है कि इस बार धान, गन्ना और दलहनी फसलों के उत्पादन में बड़ी गिरावट हो सकती है। इसके अलावा अतिवृष्टि का असर सब्जियों के उत्पादन पर भी पड़ेगा। इसके कारण बाजार में इनके दाम बढ़ेंगे और पहले से महंगाई से जूझ रही जनता को एक और महंगाई का सामना करना पड़ेगा। वहीं किसानों के हाथ कुछ आता नहीं दिख रहा है। सबसे अधिक नुकसान छोटे किसानों को होगा। उन्होंने इन फसलों को उगाने में अपनी सारी जमा-पूंजी लगा दी है। अब उनके पास अगली फसल बोने के लिए पैसे तक नहीं बचे हैं। जाहिर है सरकार को जल्द से जल्द प्रभावित किसानों को न केवल आर्थिक सहायता बल्कि अगली फसल के लिए बीज आदि उपलब्ध कराने होंगे अन्यथा अन्नदाता के सामने खुद अपने लिए अन्न का संकट उत्पन्न हो सकता है। साथ ही इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए सरकार को ठोस योजना भी बनानी होगी।

इस बार धान, गन्ना और दलहनी फसलों के उत्पादन में बड़ी गिरावट हो सकती है। इसके अलावा अतिवृष्टि का असर सब्जियों के उत्पादन पर भी पड़ेगा। इसके कारण बाजार में इनके दाम बढ़ेंगे और पहले से महंगाई से जूझ रही जनता को एक और महंगाई का सामना करना पड़ेगा। वहीं किसानों के हाथ कुछ आता नहीं दिख रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दवा उद्योग पर नकेल की जरूरत

आशुतोष चतुर्वेदी

भारत दुनिया की फार्मेसी माना जाता है। कोरोना संकट के दौरान भारत ने सारी दुनिया को वैक्सीन और दवाओं की आपूर्ति कर यह साबित भी किया। भारत के बढ़ते दवा उद्योग ने दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनायी है, लेकिन कुछ दवा कंपनियां उसका बेजा इस्तेमाल कर रही हैं और वर्षों की मेहनत पर पानी फेर रही हैं। हाल में अफ्रीकी देश गांबिया से यह गंभीर खबर आयी कि वहां एक भारतीय दवा कंपनी के बनाये कफ सिरप 66 बच्चों की मौत का कारण बन गये।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसका संज्ञान लेते हुए इन दवाओं के बारे में चेतावनी जारी की है। अभी इन दवाओं की पहचान केवल गांबिया में ही हुई है पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों को उनकी बिक्री रोकने की अनुशंसा की है ताकि मरीजों को नुकसान से बचाया जा सके। संगठन के अनुसार इन 66 बच्चों की मौतों में एक समान लक्षण थे। सबकी उम्र पांच साल से कम थी और वे तीन से पांच दिन खांसी की दवा लेने के बाद बीमार पड़े थे। चारों कफ सिरप में डाई इथिलीन ग्लायकॉल और इथिलीन ग्लायकॉल तय मात्रा से अधिक पायी गयी। भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने भी जांच शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे भारतीय दवा उद्योग को ही संदेह के घेरे में ला दिया है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन की फार्मा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का दवा उद्योग दुनियाभर में लगभग 50 फीसदी, अमेरिका में जेनेरिक दवाओं की मांग का लगभग 40 फीसदी, ब्रिटेन में सभी दवाओं का 25 फीसदी आपूर्ति करता है। देश में लगभग तीन हजार दवा कंपनियां और 10,500 दवा निर्माण इकाइयां सक्रिय हैं। विश्व स्तर पर उपयोग की जाने वाली 80 फीसदी से अधिक एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की आपूर्ति भारतीय फर्मों द्वारा की जाती है। कम लागत और उच्च गुणवत्ता के कारण भारत को दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाना जाता है लेकिन हाल की घटना से इस साख पर बट्टा लगा है। यह पहली घटना भी नहीं है। दो साल पहले डाई इथाइलीन ग्लायकॉल मिले एक अन्य ब्रांड के कफ सिरप के सेवन के बाद जम्मू में कई बच्चों की मौत हो गयी थी। दिल्ली में भी तीन बच्चों की मौत हुई थी। अधिक कमाई के लालच में कुछ कंपनियां घटिया दवाओं के निर्माण और उन्हें घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने का तिकड़म अपना रही हैं।

इसमें डॉक्टरों की सांठगांठ के मामले भी सामने आये हैं। कुछ समय पहले एक बड़ी दवा कंपनी पर छापे

के बाद आयकर विभाग को पता चला कि बुखार उतारने की गोली को बढ़ावा देने के लिए इस कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में डॉक्टरों पर एक हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च की थी। नकली व घटिया दवाओं की बिक्री के भी मामले भी सामने आते रहते हैं। यूपी, बिहार, झारखंड और बंगाल इसके प्रमुख केंद्र बताये जाते हैं। केंद्र सरकार ने इस संबंध में अहम कदम उठाते हुए दवाओं की प्रामाणिकता सत्यापित करने के लिए उत्पाद पर क्विक रिस्पांस (क्यूआर) कोड लगाने का निर्णय लिया गया है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेनेरिक दवाओं के पक्ष में पहल की थी। जनहित में हुई यह पहल कुछ डॉक्टरों और दवा कंपनियों को रास नहीं आयी। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि कानून बना कर डॉक्टरों के लिए सस्ती जेनेरिक दवाएं लिखना अनिवार्य किया जायेगा। जेनेरिक और अन्य दवाओं में कोई फर्क नहीं होता है। निश्चित ही डॉक्टरों का पेशा महान है लेकिन हम जानते हैं कि कुछ मछलियां पूरे तालाब को खराब कर देती हैं। कुछ डॉक्टर लोगों को लूट रहे हैं। दवाओं और अनावश्यक परीक्षणों को लेकर उन पर सवाल उठते रहे हैं। अमूमन दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के जरिये डॉक्टरों को प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाएं लिखवाती हैं। डॉक्टर, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव और मेडिकल स्टोर की मिलीभगत से यह धंधा चलता है। सामान्य तौर पर यह दवा मरीज को कहीं और उपलब्ध नहीं होती है। यही वजह है कि ब्रांडेड दवाओं का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर, हृदय रोग, डायबिटीज जैसे रोगों में तो ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं की कीमतों में बहुत ज्यादा अंतर देखने को मिलता है। एक अहम तथ्य यह भी है कि जहां पेटेंट ब्रांडेड दवाओं की कीमत कंपनियां खुद तय करती हैं, वहीं जेनेरिक दवाओं की कीमत निर्धारित करने में सरकार की भूमिका होती है। हालांकि केंद्र सरकार जेनेरिक औषधियां उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केंद्र चलाती है। भारत दुनिया के 130 देशों में सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराता है, लेकिन अपने गरीब मरीजों को सस्ती दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसके लिए एक कठोर नियामक व्यवस्था की आवश्यकता है, जो सभी पक्षों को अनुशासित कर सके।

चीता, इको सिस्टम और रोजगार की आस

क्षमा शर्मा

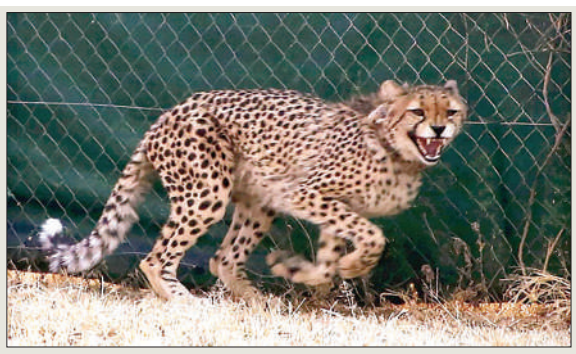

जब से नामीबिया से आठ चीते मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में आये हैं, तब से वे चर्चा में हैं। उनके वीडियो खूब देखे जा रहे हैं कि कैसे वे सोए, कैसे नाश्ता किया, कैसे पानी पिया, कैसे एक बकरा कई बार बाड़े में छोड़े जाने पर भी बच गया। एक मादा चीते को आशा नाम से पुकारा गया है, औरों को भी क्या भारतीय नाम दिये जायेंगे, आदि बातें। हमारे यहां वैसे भी गति के प्रतीक को चीते के रूप में देखा जाता है। उसकी तरह तेज दौड़ने वालों को चीता कह दिया जाता है। भारत से लुप्त होने के सत्तर साल बाद, चीतों का आना सचमुच दिलचस्प घटना है। इतने सालों में चीतों को हमारे देश के लोगों ने बस चित्रों में ही देखा होगा। अब हम में से बहुत से इन्हें साक्षात देख सकेंगे। कूनो में चीता मित्र भी बनाये गये हैं, जो रात-दिन इनकी रखवाली करके, शिकारियों से इन्हें बचाएंगे। इन चीतों के बारे में यह भी बताया गया है कि अब वे यहां के वातावरण और मौसम में घुल-मिल गये हैं। खूब कूद-फांद रहे हैं। अच्छी नींद ले रहे हैं।

हालांकि, चीतों के आने की आलोचना भी हुई है। लोग कह रहे हैं कि चीतों पर जो पैसा खर्च हुआ, उसे अगर गायों में फैल रही लम्पी बीमारी के लिए खर्च किया जाता तो अच्छा था। कुछ ने कहा है कि देश में बेरोजगारों को नौकरी देने लिए अगर इस धन का उपयोग किया जाता तो बेहतर रहता। चीतों की इस वापसी को इको सिस्टम की बहाली के रूप में भी बताया गया है। इसे इस तरह भी कहा जाता है कि जहां घास होती है, वहां हिरन और शाकाहारी जीव बढ़ते हैं। इन्हीं स्थानों पर चीते, बाघ, शेर जैसे प्राणी होते हैं। यह प्रकृति का अपना हिसाब है, जहां वह हर एक को भोजन प्रदान करती है इसलिए अगर घास, हरियाली और पेड़ बचें तो जानवर भी सुरक्षित, वर्षा के जल से पेड़-पौधे भी सुरक्षित और चीता, हाथी, शेर-बाघ आदि भी। अपने जन्मदिन सत्रह सितंबर के दिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था, तब वहां स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी।

उसी दिन एक चैनल ने इन लोगों से बातचीत भी की थी। वहां के लोग खूब ढोल-नगाड़े बजा रहे थे। नाच रहे थे। खुश हो रहे थे। कह रहे थे कि चीतों को देखने के लिए यहां बहुत लोग आयेंगे, इससे पर्यटन बढ़ेगा। जहां पर्यटन बढ़ता है, वहां रोजगार भी बढ़ते हैं। इससे लोगों को काम मिलेगा। उनके परिवार चलेंगे। उनके जीवन में भी आशा की नयी किरण आयेगी। पर्यटन से रोजगार बढ़ता है, यह बात सच भी है। कुछ वर्ष पूर्व लेखिका को मध्य प्रदेश का कान्हा नेशनल पार्क देखने का मौका मिला था। यह पार्क बाघों के लिए मशहूर है। तब एक रिसॉर्ट में काम करने वाले एक व्यक्ति ने बताया था कि पार्क में घूमने के बाद शाम को जब यहां लोग आते हैं, तो जिन्हें बाघ दिख गया होता है, वे तनकर चलते हैं, जिन्हें बाघ नहीं दिखता, वे मायूस होकर झुके-झुके चलते हैं, जैसे कोई भारी नुकसान हो गया हो। उसने चलकर भी दिखाया था। अगली सुबह के छह बजे ही जब हम जीप में सवार होकर बाघ देखने निकले, तो सूरज उग रहा था। हमारी जीप धीमी गति से आगे बढ़ रही थी कि कुछ ही दूर जाने पर चीतलों की आवाजें सुनाई देने लगीं। जैसे वे डरकर विलाप कर रहे हों। हमारे साथ जो गाइड थे, उन्होंने इशारा किया तो जीपें रुक गईं। गाइड ने धीरे से कहा कि सब लोग चुप रहें। किसी तरह की आवाज नहीं क्योंकि चीतलों की ऐसी आवाज माने अलार्म काल। बाघ कहीं आसपास ही है। सचमुच कुछ ही समय बाद बाघ हमारे बाएं तरफ के जंगल से निकलकर सड़क पर आया। उसकी चाल की मस्ती, चेहरे पर अकड़ और बेजोड़ खूबसूरती। वह रुका और वहां सड़क किनारे लगे एक पेड़ से उसने अपनी पीठ खुजाई, फिर हमें कुछ उड़ती नजरों से देखा, मानो पूछ रहा हो- कौन हो, कहां से आये हो, क्यों रोज-रोज परेशान करने आ जाते हो, फिर धीमी चाल से सड़क पार करता, दाहिने हाथ के घने जंगल में गायब हो गया। उसके जाने के बाद गाइड ने खुश होते हुए कहा-आप लोग तो बहुत ही किस्मत वाले हैं कि जंगल में घुसते ही बाघ के दर्शन हो गये। बाघ यहां का भगवान है। वही हम सबको पालता है। जिसे आपने देखा, वह तो मादा बाघिन थी, नाश्ता करके, पानी पीने जा रही थी। किसका नाश्ता, पूछने पर मुस्कराकर कहा-उन्हीं का जिनकी आवाज आपने कुछ देर पहले सुनी थी। एक जगह मिट्टी में ही फूलों जैसे निशान थे। वे वहां से बाघ के गुजरने का प्रमाण थे। कान्हा में ही श्रवण ताल भी है। कहते हैं कि यहीं से पानी भरते श्रवण कुमार को दशरथ का तीर लगा था। दोपहर बाद हम लौटे, तो पार्क में चारों ओर सैकड़ों की संख्या में लंगूर नजर आये। वहां जीप ने हमें पार्क के गेट पर छोड़ा, तो अद्भुत नजारा दिखाई दिया। पर्यटकों के लिए जीपों की लम्बी कतार थी। इन्हें आम तौर पर आने से पहले ही बुक करा दिया जाता है। जीपों के बहुत से ड्राइवर और गाइड्स भी थे। गेट के दोनों ओर दुकानें थीं। इन दुकानों पर रुडयार्ड किप्लिंग की लिखी 'जंगल बुक' के पात्रों के तरह-तरह के खिलौने बिक रहे थे-भालू, बाघ, मोगली आदि। ये लकड़ी, प्लास्टिक, कपड़े और धातु के बने थे। इन्हीं पात्रों के चाबी के गुच्छे, टोपियां, टी-शर्ट, मफलर, मोजे, चादरें आदि भी थे। वहां खड़े होकर याद आया कि जिस रिसॉर्ट में हम ठहरे थे, उसका नाम भी बघीरा था, जो जंगल बुक का प्रमुख पात्र है। रुडयार्ड किप्लिंग का इस इलाके से गहरा संबंध था। यहीं के सुंदर दृश्यों को देखकर, उन्हें जंगल बुक लिखने की प्रेरणा मिली थी।

बॉलीवुड | मन की बात

ऋतिक रोशन की फिटनेस पर फिदा हैं राधिका आप्टे

ऋतिक रोशन अक्सर अपनी फिल्मों के साथ ही साथ अपनी फिटनेस को लेकर छाए रहते हैं। अक्सर वह अपनी मस्कुलर और फिट बॉडी को सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो के जरिए फ्लॉन्ट करते हैं। जिसमें वह काफी शानदार दिखाई देते हैं। फैंस के साथ ही साथ बॉलीवुड सितारे भी उनकी मस्कुलर फिट बॉडी के दीवाने हैं। उन सितारों एक नाम राधिका आप्टे का भी है, जो ऋतिक के फिटनेस की क्रेजी हैं। राधिका ने हाल ही अपने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है। आपको बता दें कि 'विक्रम वेधा' 30 सितंबर को सिनेमाघरों रिलीज हुई। इस फिल्म में ऋतिक रोशन संग लीड रोल में सैफ अली खान और राधिका आप्टे भी नजर आईं। इस फिल्म में वह एक वकील की भूमिका में देखी गईं। यह राधिका के पहली बार था जब उन्हें ऋतिक के साथ देखा गया, वहीं सैफ के साथ राधिका ने दूसरी बार काम किया है। इससे पहले इन दोनों को वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में देखा गया था। 'बॉलीवुड हंगामा' की बातचीत में जब राधिका से ऋतिक से सवाल किया गया कि वह ऋतिक के साथ पर्दे पर काम करने के बारे में कैसा महसूस करती हैं और उन्हें उनके बारे में सबसे ज्यादा क्या पसंद है? इस पर अदाकारा ने जवाब देते हुए कहा, 'फिटनेस के प्रति उनका समर्पण।' राधिका के इस जवाब से साफ जाहिर है कि वह ऋतिक के फिटनेस की कायल हैं। बता दें कि हाल ही में आईएएनएस के इंटरव्यू में फिल्म के निर्देशक ने बताया था कि उन्होंने राधिका आप्टे को 'विक्रम वेधा' में कास्ट किस वजह से किया था। निर्देशक ने कहा था कि हम चाहते थे कि प्रिया की भूमिका निभाने के लिए कोई महान अभिनय कला हो। इसके लिए किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो विक्रम (सैफ द्वारा अभिनीत) और वेधा (ऋतिक द्वारा अभिनीत) दोनों के लिए खड़ा हो सके। राधिका आप्टे इसके लिए एकदम सही थीं। और हमारी पसंद सही साबित हुई।'

अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर फैंस को मिला खास तोहफा

बॉलीवुड | मसाला

अमिताभ बच्चन के 80वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए न केवल फिल्म इंडस्ट्री बल्कि देशभर में जोर-शोर से तैयारी चल रही है। इसी बीच अमिताभ बच्चन की फिल्म गुड बाय को लेकर एक खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमिताभ बच्चन के जन्मदिन 11 अक्टूबर के दिन गुड बाय की टिकट केवल 80 रुपये में मिलेगी। इससे पहले भी गुड बाय फिल्म की टिकट की कीमत 150 रुपये की गई थी। बता दें कि बच्चन परिवार की कंपनी सरस्वती एंटरटेनमेंट ने भी फिल्म प्रोड्यूस किया है।

फिल्म गुडबाय 11 अक्टूबर 2022 को मात्र 80 रुपये में मिलेगी। फैंस को यह खास ऑफर अमिताभ बच्चन के जन्मदिन के मौके पर दिया गया है। मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार फिल्म गुडबाय की 80 रुपये में एडवांस बुकिंग भी ओपन हो गई है। 80 रुपये में आप PVR Cinemas, Ino&, Cinepolis, Miraj, Mukta थिएटर में फिल्म देख सकते हैं।

फिल्म मेकर्स द्वारा फिल्म की टिकट के रुपये कम किए गए हैं। जिससे फैंस थिएटर में जाकर अमिताभ बच्चन के जन्मदिन को यादगार बना सकते हैं। वहीं इससे फिल्म की कमाई पर भी असर पड़ सकता है। इसकी शुरुआत 7 अक्टूबर से की गई थी। 7 अक्टूबर को फिल्म के टिकट की कीमत कम कर 150 रुपये की गई थी।

गुड बाय फिल्म एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म को विकास बहस ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में अमित त्रिवेदी ने म्यूजिक दिया है। अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म में रश्मिका मंदाना, नीना गुप्ता, पावेल गुलाटी, सुनील ग्रोवर, एली अवराम और साहित मेहता स्टार्स हैं।

गॉडफादर ने किया 100 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन

तेलुगु सिनेमा के बड़े सुपरस्टार चिरंजीवी की पिछली फिल्म आचार्य इसी साल आई थी। फिल्म में उनके साथ उनके बेटे, RRR स्टार राम चरण भी थे, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई। साल की अपनी दूसरी रिलीज गॉडफादर के लिए चिरंजीवी ने सलमान खान को एक खास रोल ऑफर किया। सलमान के इस रोल को कहा तो कैमियो जा रहा है, लेकिन फिल्म देख चुके दर्शक जानते हैं कि उनका रोल अच्छा खासा है। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान जब गॉडफादर के ट्रेलर में चिरंजीवी के साथ एक्शन में दिखे तो फैन्स की एक्साइटमेंट का लेवल बहुत बढ़ गया और अब ये फिल्म की शानदार कमाई करवा रहा है। दशहरे के मौके पर 5 अक्टूबर को रिलीज हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की कमाई के जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, वो बता रहे हैं कि गॉडफादर हिट होने वाली है। वहीं रिलीज हुई रश्मिका मंदाना की बॉलीवुड फिल्म गुड बाय बॉक्स ऑफिस पर काफी स्लो चल रही है। अमिताभ बच्चन भी फिल्म में बड़ी भूमिका में हैं।

सलमान खान और चिरंजीवी का कॉम्बो गॉडफादर से थिएटर्स को जोरदार भीड़ दिला रहा है। रिपोर्ट्स बता रही हैं कि इसका सबसे बड़ा कमाल ये है कि फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ तीन ही दिन में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। जिस हिसाब से फिल्म की कमाई चल रही है, उससे ये बिल्कुल संभव है कि यह वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर गॉडफादर का ग्रॉस कलेक्शन 150 करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच जाए।

गॉडफादर ने शनिवार को इंडियन बॉक्स ऑफिस पर ही 9.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो शुक्रवार के 8.65 करोड़ रुपये से ज्यादा है। 4 दिन में फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है। रविवार के लिए गॉडफादर की एडवांस बुकिंग भी बढ़ी है और माना जा रहा है कि 5वें दिन फिल्म का कलेक्शन 11 करोड़ के करीब हो सकता है।

अजब-गजब | 1500 किलो सोने से किया गया है निर्माण

इस मंदिर को कहा जाता है दक्षिण भारत का 'स्वर्ण मंदिर'

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के बारे में तो आप जानते ही होंगे, जिसके बाहरी हिस्से को सोने से बनाया गया है। इसीलिए इसे स्वर्ण मंदिर कहा जाता है लेकिन आज हम आपको दक्षिण भारत के एक मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दक्षिण का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर का नाम श्रीपुरम् है। जिसे बनाने के लिए 1500 किलोग्राम शुद्ध सोने का इस्तेमाल किया गया है।

तमिलनाडु के वेल्लोर में देवी महालक्ष्मी का एक मंदिर है। ये मंदिर थिरुमलाई कोडी में स्थित है। इस मंदिर को श्रीपुरम मंदिर या श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। साथ ही इस मंदिर को साउथ के गोल्डन टेम्पल के नाम से भी लोग जानते हैं। श्रीपुरम मंदिर की सबसे खास बात ये है कि इस मंदिर को सिर्फ शुद्ध 1500 किलोग्राम सोने से बनाया गया है। जो अपने आप में दुनिया का एक मात्र मंदिर है। इस मंदिर का निर्माम 100 एकड़ जमीन पर किया गया है। इस मंदिर के चारों तरफ हरियाली है। जो मंदिर को और भी आकर्षित बनती है। इसके साथ ही मंदिर को शानदार बनाने के लिए इसके

बाहर बनाई गई कृत्रिम सरोवर है। इस सरोवर की सबसे खास बात ये हैं कि इसमें भारत की मुख्य पवित्र नदियों का पानी मिलाया गया है। जिसकी वजह से इस सरोवर को 'सर्व तीर्थम सरोवर' के नाम से जाना जाता है। बता दें कि श्रीपुरम मंदिर करीब सात साल में बनकर तैयार हुआ था। इसके बाद इस मंदिर को 24 अगस्त 2007 को सार्वजनिक रूप से खोल दिया गया। मंदिर के परिसर में एक 27 फीट ऊंची दीपमाला स्थापित की गई है। यहां आने वाले श्रद्धालु भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के दर्शन के बाद इस दीपमाला के दर्शन जरूर करते हैं। ऐसा करना एक अनिवार्य प्रक्रिया माना जाता है। बता दें कि इस मंदिर में सुबह 4 बजे से 8 बजे अभिषेक के लिए खोला जाता है। उसके बाद सुबह 8 बजे से 8 बजे तक मंदिर में दर्शन किए जा सकते हैं। इस मंदिर को और खूबसूरत बनाने के लिए इसके बाहरी क्षेत्र को सितारे का आकार दिया गया है। रात के समय में इस मंदिर में जब प्रकाश किया जाता है, तब सोने की चमक देखने लायक होती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस मंदिर में अमृतसर के गोल्डन टेम्पल से ज्यादा सोना लगा है। अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में जहां 750 किलोग्राम सोने लगा है तो श्रीपुरम मंदिर में 1500 किलोग्राम सोने का इस्तेमाल किया गया है। इस मंदिर में रात के वक्त ज्याता श्रद्धालु पहुंचते हैं क्योंकि उस वक्त सोने से बने पूरे मंदिर को रोशनी से जगमगाया जाता है, जिसका नजारा बेहद ही अद्भुत होता है।

ये है सबसे मीठा फल पर डायबिटीज के मरीजों के लिए है वरदान

अक्सर लोगों को बीमार होने पर डॉक्टर फल खाने की सलाह देते हैं, जिससे उनके शरीर को ऊर्जा मिलती रहे और उनके लीवर को ज्यादा काम न करना पड़े लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए फल खाने की भी मनाही होती है क्योंकि लगभग सभी फल मीठे होते हैं ऐसे में उन्हें फल न खाने की सलाह दी जाती है लेकिन आज हम आपको एक ऐसे फल के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे मीठा फल माना जाता है और इसे डायबिटीज के मरीजों के लिए रामबाण माना जाता है। यही नहीं ये फल चीनी से भी कई गुना ज्यादा मीठा होता है। बता दें इस फल का नाम मोंक फल है। जो चीनी से भी 300 गुना ज्यादा मीठा होता है लेकिन फिर भी ये शुगर फ्री होता है। हालांकि ये फल चीन में पाया जाता है। भारत में इस फल को सीएसआईआर-आईएचबीटी संस्थान ने पालमपुर में तैयार किया था। इस फल की सबसे अच्छी बात ये है कि इस फल को या इस फल से बने किसी भी उत्पाद को डाइबिटीज के मरीजों को भी आसानी से खिलाया जा सकता है। बता दें कि मोंक फ्रूट के इस पौधे को सबसे पहले चीन में उगाया गया था। उसके बाद इसे पालमपुर में सीएसआईआर और एनबीपीजीआर की मंजूरी के बाद उगाया गया। इस फल के मोगरोसाइड तत्व से मिठास का नया विकल्प तैयार किया गया। जो चीनी के मुकाबले करीब तीन सौ गुना अधिक मीठा होता है। इसमें एमिनो एसिड, फक्टोज, खनिज और विटामिन शामिल है। बता दें कि किसी पेय पदार्थ या पके हुए भोजन में उपयोग में लाने के बाद भी इसकी मिठास कायम रहती है।

कैलोरी बर्न करने में करता है मदद

अगर आपके पास एक बड़ा बगीचा है तो गार्डनिंग आपके लिए एक अच्छे एक्सरसाइज के रूप में काम करता है। रोज एक घंटे की बागवानी से आप 330 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कम तीव्रता वाले एक्सरसाइज को पसंद करने वाले लोगों के लिए गार्डनिंग एक अच्छी कसरत हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम में भी करता है मदद

बागवानी

पौधों और हरभरे स्थानों के पास रहना और बागवानी करना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। साथ ही इससे NHS सेवाओं पर भी कम दबाव पड़ता है। पौधे लगाना या बागवानी करने से आपको एक अलग तरह की खुशी और संतुष्टि मिलती है। कुछ लोगों के लिए बागवानी एक शौक से कहीं ज्यादा होता है। यहां सिर्फ आपके घर को ही खूबसूरत नहीं बनाता, बल्कि आपके मूड को भी अच्छा बनाता है, इसलिए डॉक्टरों को भी अपने मरीजों को हरे भरे स्थानों के पास रहने की सलाह देनी चाहिए। उन्हें बागवानी करने के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए। प्रकृति और मनुष्य एक साथ जुड़े हुए हैं। प्रकृति का प्रभाव सीधे हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। प्रकृति के साथ रोज थोड़ा समय बिताने से आपको मानसिक रूप से स्वस्थ्य करता है। इससे आपको एक अलग तरह की शांति मिलती है। किसी भी तरह के तनाव से बचने के लिए भी मदद करता है।

मूड होता है ठीक

बागवानी करने से अधिकतर लोगों ने खुशी महसूस की है। जब आप बगीचे में जानकर काम करते हैं तो आपका मूड तनाव की बातों से दूर हो जाता है, और आपको एक अलग तरह की शांति मिलती है। इससे आपके चिंता का स्तर भी कम हो जाता है। जैसे-जैसे आप गार्डनिंग करते हैं आपकी उदासी धीरे-धीरे दूर होने लगती है। बागवानी भी एक्सरसाइड का एक रूप है, जो आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। साथ ही सूरज की रोशनी मिलने से भी आपका मूड बदल सकता है।

तनाव के स्तर को करता है कम

बागवानी एक स्ट्रेस बुस्टर है, जो आपके तनाव को कम करने में मदद करता है। यह आपको एक तनावपूर्ण घटना से ठीक होने और वापस ठीक होने में मदद करता है। स्टडी में भी ये बात सामने आई है कि बागवानी से तनाव के हार्मोन का स्तर कम होता है।

लाइफस्टाइल में सुधार

साधारण चीजें आपकी लाइफ को आपके विचार से कहीं ज्यादा सुंदर बनाती हैं। इनमें बागवानी एक है। छोटी-छोटी चीजों को नोटिस करने के लिए गर्डन सबसे अच्छी जगह है। यहां रहकर आप अपने लाइफ में काफी बदलाव महसूस कर सकते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में करता है मदद

हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य विकार है जो कई लोगों को प्रभावित करता है। बागवानी आपको ब्लड प्रेशर को प्रबंधित करने में मदद करता है। जितना ज्यादा समय आप अपने पौधों के साथ बिताएंगे, उतना ज्यादा आपको आराम महसूस करेंगे। बागवानी कम तीव्रता वाली कसरत के रूप में भी काम करती है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और आपके दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है

इंसान भी पौधों की तरह होते हैं, दोनों को ही सूरज की रोशनी की जरुरत होती है। पौधे लाइट संश्लेषण की प्रक्रिया के जरिए अपना भोजन बनाने के लिए सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करता है। बागवानी करते समय आप धूप के सम्पर्क में रहते है, जिससे आपको विटामिन डी मिलता है। विटामिन डी आपके शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। यह आपकी हड्डियों को मजबूत और रखने का काम भी करता है।

हड्डियों को बनाता है मजबूत

उम्र बढ़ने के साथ आपकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। आपके शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी होने लगती है। यह तब होता है जब आपके शरीर को ज्यादा कैल्शियम और विटामिन डी की जरुरत होती है। नियमित रूप से बागवानी करने से आपकी हड्डियां स्वस्थ रहती हैं और सूरज की रोशनी में काम करने के लिए आपको विटामिन डी की अधिकतम मात्रा प्राप्त करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर लेवल को करता है नियंत्रित

डायबिटीज के रोगियों के लिए बागवानी एक अच्छा व्यायाम है क्योंकि यह ब्लड शुगर लेवल को प्रबंधित करने में मदद करता है। अध्ययनों से पता चलता है कि व्यायाम और आहार रोग के जोखिम वाले लोगों में टाइप 2 डायबिटीज के विकास को कम कर सकते हैं।

कहानी — लालची व्यक्ति

घी के दो व्यापारियों की दुकानें एक-दूसरे के बराबर में थीं। एक दिन उनमें से एक ने दूसरे से 500 स्वर्ण मोहरें उधार लेने की सोची और अपना कर्ज बिना किसी परेशानी के चुकाने को कहा लेकिन जब कर्ज वापिस करने का समय आया तो उसने ऐसा करने से मना कर दिया। उसने यह भी स्वीकार करने से मना कर दिया कि उसने उससे रुपये उधार लिए हैं। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह न्याय के लिए बादशाह के पास गया। बीरबल को हमेशा की तरह न्याय करने को कहा। बीरबल ने दोनों को बुलवाया और दोनों की कहानी सुनी। बीरबल ने दोनों से दस दिन का समय मांगा और दोनों व्यापारियों को घर भेज दिया। समस्या पर गहन विचार के बाद बीरबल ने तेल के 10 टिन मंगवाए। हर टिन में 110 किलो तेल था और उनमें से दो में बीरबल ने सोने के सिक्के डाल दिए। तब उसने 10 टिन अलग-अलग 10 व्यापारियों को दिए और उनकी कीमत पता करने को कहा। उन्हें वे टिन घर ले जाने और तीन दिन बाद वापिस आने को कहा। बीरबल ने सोने के सिक्के वाले दोनों बर्तन घी व्यापारियों को दे दिये लेकिन उसके बेईमान पड़ोसी को सिक्का मिला तो उसने उसे अपने बेटे को दे दिया। निश्चित दिन पर सभी 10 व्यापारी तेल लेकर बीरबल के पास आये और उन्हें मूल्य के बारे में बताया। बीरबल ने उस व्यापारी के टिन को ध्यान से देखा जो अपना कर्ज नहीं चुकाना चाहता था और यह भी देखा कि सिक्का गायब होने के साथ उसमें से कुछ तेल भी कम था। जब बीरबल ने इस बारे में पूछा, तो व्यापारी ने जवाब दिया कि जब मैंने इसे परखने के लिए गरम किया होगा यह तब कम हो गया होगा। बीरबल बोले, अच्छा यह बात है, चलो मैं देखता हूं। मैं अभी वापिस आता हूं। ऐसा कहकर, वह अन्दर गया और अपने एक नौकर को उस व्यापारी के घर जाकर उसके पुत्र से सिक्का लाने को कहा। बहुत जल्द वह लड़का सोने के सिक्के के साथ दरबार में आ गया और तुरन्त उससे बीरबल ने पूछा, क्या तुम वे पांचों सिक्के लेकर आये हो जो तुम्हारे पिता को तेल में मिले थे? तभी उत्तर आया, मालिक, तेल में केवल एक सिक्का था, पांच नहीं। बीरबल ने तब व्यापारी से कहा, जब तुम एक सिक्के के लिए बेइमानी कर सकते हो जो मैंने तेल के डिब्बे में डाला था व इसके साथ तुमने उसमें से कुछ तेल भी निकाल लिया और गरम करने के कारण तेल कम होने का बहाना बना दिया तब तुम 500 सोने के सिक्कों के लिए सच क्यों बोलोगे जो तुमने पड़ोसी से उधार लिए थे। अब तुम्हारे पास कहने को क्या है? अब व्यापारी को बचाव का कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने सभी तेल व्यापारियों के सामने अपनी गलती मान ली।

शिक्षा: सच कभी भी परदे के पीछे नहीं रह सकता। बेइमानी देर सवेर सामने आ ही जाती है। इज्जत एक बार जाने के बाद दोबारा पाना मुश्किल हो जाता है।

हंसना मना है

योग गुरु: क्या योग करने से आपके पति के शराब पीने में कोई बदलाव आया? **महिला:** हां अब वो सिर के बल खड़े होकर शराब पी लेते हैं।

सबसे सख्त व्यापारी होता है पानीपूरी बाला लडकी कितनी भी स्माइल दे लेकिन बन्दा कभी गिनती नहीं भूलता।

पप्पू जब भी कपड़े धोने लगता तब बारिश हो जाती एक दिन धूप निकल आयी तो पप्पू भागा-भागा सर्फ लेने गया रास्ते में ही बादल गर्जने लगे पप्पू आसमान को देखकर बोला: मैं तो नमकीन लेने जा रहा था।

बच्चा घर से मार खाकर स्कूल जा रहा था रास्ते में किसी ने पूछा- बेटा पढते हो? बच्चा: नहीं, स्कूल ड्रेस पहनकर तेरे बाप की बारात में जा रहा हूं।

पिता बेटे से: देखो बेटा जुआ एक ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे, परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे बेटा: बस पिताजी मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोड़कर खेला करूंगा।

10 अंतर खोजें

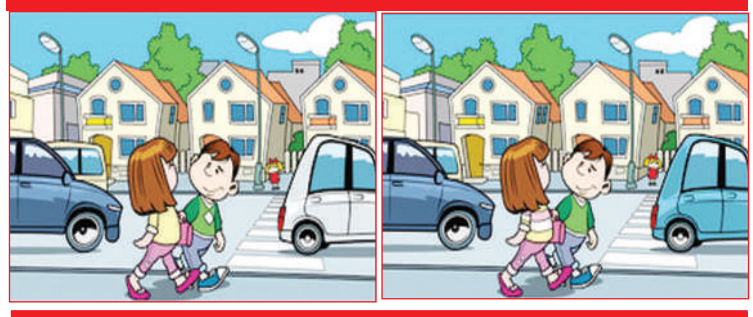

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यस्थल पर नवीन समीकरणों के चलते आप पूरे समय व्यस्त रहेंगे। कुछ रुकी हुई परियोजनाएं अब प्रगति करेंगी। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिल सकता है तथा इच्छित स्थान पर स्थानांतरण भी संभव है।

वृषभ

आज आपकी नये कार्यों में रूचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी अधिक मजबूत होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन

आज मित्र के साथ कहीं घुमने जाने का अवसर आपको मिलेगा। जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें। कठिनाइयां समाप्त होंगी और रुके हुए कार्य गतिशील होंगे।

कर्क

आप खुश और हंसमुख रहेंगे। आपके पास कई नए अवसर होंगे। आपका करियर और आपकी वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा। प्रेमियों के लिए सुखद समय रहेगा।

सिंह

आज किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इस राशि के स्टूडेंट्स अपने पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं,जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकती है।

कन्या

आज आपकी आमदनी के स्रोतों में इजाफा होता नजर आ रहा है। मामलों को सुलझाने की कोशिश में योजनाओं और मनोभावों में बदलाव आ सकता है।

तुला

आपकी मां की स्वास्थ्य स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चों का स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है, परंतु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

वृश्चिक

बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है,जिससे आपकी खुशियों में इजाफा होगा।

धनु

आज हर किसी से प्रेम भाव से बातचीत करने की आवश्यकता है। मां के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। मित्रों के साथ यात्रा पर जाना हो सकता है। आपके परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा।

मकर

आज आपको विभिन्न स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इस समय शांत और सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण है। टकराव से बचें। उचित विचार के बाद वित्तीय निर्णय लें। छात्र सफलता प्राप्त करेंगे।

कुम्भ

आज परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। आपको अचानक धन लाभ होगा।

मीन

आज जीवनसाथी के साथ संबंधों में सुधार होगा। बचत योजनाओं में निवेश करने के लिए यह एक अच्छा समय है। छोटी-मोटी बातों को लेकर विवाद टालें। अच्छा तालमेल रहेगा।

भाजपा के खिलाफ खुलकर लड़नी होगी लड़ाई : लालू

» मंडल बनाम कमंडल पर बहस कराने पर दिया जोर

» विपक्षी एकजुटता पर फोकस, 12वीं बार निर्विरोध बने राजद अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित खुले अधिवेशन में सोमवार को राजद की राष्ट्रीय कार्यपरिषद ने लालू प्रसाद के हाथ में 12वीं बार पार्टी की कमान सौंप दी। राजद कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से भरे हाल में लालू प्रसाद एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भाजपा एवं केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। लालू यादव ने कहा कि भाजपा के खिलाफ खुलकर लड़ाई लड़नी होगी। 2024 में भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे।

लालू और तेजस्वी करेंगे निर्णयों का फैसला

अधिवेशन में राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव ने संविधान संशोधन का प्रस्ताव भी पेश किया। इसमें भी तेजस्वी के अधिकार बढ़ाए गए हैं। अब राजद के नाम, सिंबल और झंडे से संबंधित सारे निर्णयों का फैसला लालू और तेजस्वी ही करेंगे।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने मंडल बनाम कमंडल बहस फिर से शुरू करने की मांग की। उन्होंने भाजपा पर समाज को सांप्रदायिक बनाने और कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण के खिलाफ होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी की कार्रवाई विपक्षी दलों को एकजुट करने के उनके प्रयासों का परिणाम थी। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ संबंधों को लेकर दोराहे पर खड़े नेताओं और दलों को आगाह किया कि वे भाजपा का विरोध करें या खुलकर समर्थन लेकिन दोनों काम एक साथ नहीं चलेंगे। कांग्रेस को साथ लेकर चलने पर जोर देते हुए लालू ने कहा कि सोनिया गांधी से उनकी बात-मुलाकात हो चुकी है। सबको एक मंच पर लाना है। बिहार में जैसा माहौल बना है, वैसा पूरे देश में बनाना है। राजद के विस्तार का संकेत देते हुए लालू ने कहा कि ऐसे आयोजन अब सभी राज्यों में किए जाएंगे। अधिवेशन में राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव ने कार्यकारिणी गठन के लिए लालू को अधिकृत किया। वहीं भाजपा से लड़ाई के लिए तेजस्वी ने विपक्षी दलों की एकता को समय की मांग बताया। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों से एकजुट होकर मुकाबला करने का आग्रह किया। कहा कि इधर या उधर होकर चलने से काम नहीं चलेगा। बड़े लक्ष्य के लिए स्वार्थ से ऊपर उठें।

टीएमसी विधायक माणिक भट्टाचार्य गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» ईडी ने लंबी पूछताछ के बाद की कार्रवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने इस मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक माणिक भट्टाचार्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार विधायक बंगाल शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ईडी ने यह कार्रवाई माणिक से लंबी पूछताछ के बाद की है। पूरा मामला प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्तियों में अनियमितताओं से संबंधित है।

ईडी की टीम ने माणिक भट्टाचार्य से सोमवार दोपहर पूछताछ शुरू की थी। लंबी पूछताछ के दौरान जांच में सहयोग न करने के आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई है। बता दें, सीबीआई ने भी इस मामले में 27 सितंबर को टीएमसी विधायक को पूछताछ के लिए तलब किया था लेकिन वे जांच एजेंसी के सामने हाजिर नहीं हुए थे। सीबीआई के समन के बाद विधायक ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अगले आदेश तक सीबीआई की गिरफ्तारी से उन्हें छूट प्रदान की थी। हालांकि, ताजा गिरफ्तारी ईडी ने की है। इससे पहले ईडी ने इस मामले में पश्चिम बंगाल के तत्कालीन उद्योग मंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को भी गिरफ्तार किया है।

आप सांसद राघव चड्ढा का भाजपा पर हमला, कहा

गुजरात के लोग अहंकारी पार्टी से मांग रहे हिसाब

» आम आदमी पार्टी से डर गई है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। राज्य सभा सांसद और आप गुजरात के सह-प्रभारी राघव चड्ढा ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता देखकर भारतीय जनता पार्टी डर गई है, बौखला गई है और हर प्रकार का हथकंडा अपना रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा इसलिए डर गई है क्योंकि आज गुजरात के लोग 27 साल की अहंकारी पार्टी से हिसाब मांग रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि आपने 27 साल में क्या काम किया? उसके बारे में बताएं। जब एक सामान्य गुजराती इस 27 साल की अहंकारी भाजपा पार्टी से पूछता है कि आपने महंगाई का क्या किया तो भाजपा के पास कोई जवाब नहीं होता। गुजरात के 6.5 करोड़ लोग जो सवाल पूछ रहे हैं, महंगाई से लेकर बेरोजगारी तक, भ्रष्टाचार से लेकर गुजरात में चल रहे अवैध शराब के व्यापार तक, भाजपा वाले उन सवालों का जवाब दे। आज केजरीवाल गुजरात आते हैं तो अपने सात साल के दिल्ली में किए गए काम का रिपोर्ट कार्ड लेकर आते हैं।

आदमपुर उपचुनाव मिलकर लड़ेगी भाजपा व जजपा

» सीएम खट्टर बोले नहीं है कोई मतभेद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के आदमपुर उपचुनाव को भाजपा और जजपा मिलकर लड़ेंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने साफ किया है कि उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी और जननायक जनता पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेगी। दूसरी ओर दिल्ली में हुई जजपा की बैठक में भी इसी तरह का फैसला किया गया।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने दोनों दलों में किसी तरह के मतभेदों की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गठबंधन के प्रत्याशी भव्य बिश्नोई के पोस्टरों में जजपा नेताओं को जगह नहीं मिलने की कोई खास वजह नहीं है। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अपने स्तर पर यह पोस्टर बनवा दिए होंगे।

राजस्थान के सियासी घमासान पर बोले पायलट, मैंने संघर्ष किया तब सत्ता में आए

» इशारों में साधा सीएम गहलोत पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के सियासी घमासान पर सचिन पायलट ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। पायलट ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना तब मैंने संघर्ष किया इसलिए हम सत्ता में आए है। कार्यकर्ताओं के बेस पर ही सत्ता में आए हैं। जब मैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष था, तब मैंने और कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया।

सचिन पायलट ने हाड़ौती अंचल के दौरे के दौरान इशारों में सीएम गहलोत को पर निशाना साधते हुए कहा कि इस क्षेत्र में किसानों और गरीबों के लिए संघर्ष हम लोगों ने किया है। हम सब का सामूहिक दायित्व है कि जो हमारे वर्कर हैं, कार्यकर्ता हैं, किसान और नौजवानों की उम्मीदों पर खरा उतरें। हम मिलकर काम कर रहे हैं। हम सब का ध्येय है 2023 में चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बने। राजस्थान में सियासी संकट पर सचिन पायलट अब तक चुप्पी साधे हुए थे,लेकिन पायलट ने इशारों में कह दिया है कि 2018 में सत्ता मेरे कांग्रेस अध्यक्ष रहने के दौरान मिली थी। संघर्ष के दम पर कांग्रेस की सरकार बनी। 2018 के विधान सभा चुनाव के दौरान सचिन पायलट के हाथ में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी कमान थी। पायलट ने संकेत दिया है कि उनके दम पर ही सत्ता मिली है। राजस्थान में सीएम पद की खींचतान के बीच पायलट का बयान अहम है। हालांकि, पायलट ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि इशारा सीएम गहलोत की तरफ ही था।

कंगना से सीएम जयराम ठाकुर ने की मुलाकात, सियासी पारा चढ़ा

» बालीवुड अभिनेत्री के चुनाव लड़ने की चर्चा तेज

» हिमाचल प्रदेश में होने वाले हैं विधान सभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मनाली। हिमाचल प्रदेश की सियासत में आज सुबह बड़ा सियासी उफान आया। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अचानक बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के घर सिमसा पहुंच गए। मुख्यमंत्री के साथ शिक्षा मंत्री गोविंद ठाकुर भी मौजूद रहे। उन्होंने कंगना रनौत के साथ भेंट की। आधा घंटा से ज्यादा दोनों के बीच मंत्रणा हुई है। इस मुलाकात के दौरान क्या बातचीत हुई, इस बारे में कुछ सामने नहीं आ पाया है लेकिन चुनावी बेला में इस मुलाकात को राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की किसी को खबर नहीं थी। अचानक सुबह पौने नौ बजे सीएम का काफिला मनाली सर्किट हाउस से निकला और सीधे सिमसा जाकर रुका। लोगों को लगा कि काफिला शिक्षा मंत्री गोविंद ठाकुर के घर जा रहा है लेकिन काफिला सीधा कंगना के घर पहुंच गया। मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री ने आधा घंटा कंगना से शिष्टाचार भेंट की। हालांकि शिक्षा मंत्री तो पड़ोसी होने के नाते कंगना से मिलते रहते हैं लेकिन सीएम पहली बार कंगना से मिलने पहुंचे थे। कंगना के पड़ोसियों ने बताया कि कंगना दो दिन पहले मनाली पहुंची हैं। कंगना रनौत का भाजपा की ओर झुकाव है। वह पीएम मोदी से भी काफी प्रभावित हैं। चुनाबी बेला में सीएम की बालीवुड अभिनेत्री से मुलाकात कई तरह के कयास लगा रही है। चर्चा यह भी है कि क्या कंगना चुनाव लड़ने जा रही हैं। हिमाचल में नवंबर माह के दूसरे या तीसरे सप्ताह में चुनाव हो सकते हैं। चुनाव आयोग सभी 68 विधान सभा सीटों पर एक साथ चुनाव करवाने की तैयारी में है।

कांग्रेस में बहुत बड़ा कंफ्यूजन है: जयराम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं के पार्टी छोड़ने की खबरें लगातार आ रही हैं। इसी बीच हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने राज्य में कांग्रेस की स्थिति को लेकर बयान दिया है। ठाकुर ने कहा, कांग्रेस का हर नेता असुरक्षित महसूस कर रहा है। असुरक्षा की भावना उनके पार्टी छोड़ने की बड़ी वजह है। जयराम ठाकुर ने कहा कि भगदड़ वहां होती है जहां पर असुरक्षा का भाव होता है। कांग्रेस का हर नेता और कार्यकर्ता असुरक्षित महसूस कर रहा है, जिसकी वजह से वे निराश होकर कांग्रेस पार्टी को छोड़ने के लिए विवश हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति को लेकर भी कांग्रेस में बहुत बड़ा कन्फ्यूजन है और ऐसे में नेता पार्टी छोड़ते जा रहे हैं और बहुत सारे लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

कृष्णानगर में महिला की गोली मारकर हत्या, बदमाश फरार

» घर में घुसकर तीन बदमाशों ने की वारदात

» जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर पर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के घर में घुसकर एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर ललित सोनकर पर हत्या कराने का आरोप लगाया है। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश कर रही है। कृष्णानगर इंस्पेक्टर आलोक कुमार राय ने बताया कि भोला खेड़ा के रहने वाले सौजन्य सक्सेना ने मंगलवार तड़के सूचना दी कि उसके घर में घुसकर तीन लोगों ने उसकी बुआ

मधुबाला की फाइल फोटो

मधुबाला (72) की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर मधुबाला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मधुबाला के सिर पर गंभीर चोट थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम से ही साफ होगा कि उनकी हत्या गोली या कोई भारी वस्तु मारकर की गई है। सौम्य सक्सेना के मुताबिक अमीनाबाद निवासी हिस्ट्रीशीटर ललित का मधुबाला के भतीजे सौजन्य शरण से कई सालों से विवाद चल रहा है। इससे पहले भी उसने उसको मारने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक मधुबाला सौजन्य की बुआ सास लगती हैं। दोनों का पुराना लेनदेन का विवाद है। सौजन्य के मुताबिक बदमाश छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। उसके बाद बुआ के कमरे की कुंडी तोड़कर अंदर पहुंचे। उन्हें बुरी तरह से पीटने लगे। चीखपुकार सुनकर बचाने के लिए दौड़ने पर तमंचा से गोली मार दी। परिवार के लोगों को भी गोली मारने की धमकी दी। दूसरे कमरे में छिपकर अन्य लोगों ने जान बचाई। पुलिस के मुताबिक हीवेट रोड निवासी ललित सोनकर अमीनाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ सौजन्य ने जनवरी में भी धमकी देना का मुकदमा दर्ज कराया था।

बालासाहेब के आदर्शों पर करेंगे काम : आदित्य ठाकरे

» उद्धव गुट का नए चुनाव चिह्न और पार्टी नाम के साथ पोस्टर जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के उद्धव गुट को आखिरकार अंधेरी पूर्व विधानसभा उप चुनाव के लिए पार्टी का नया नाम और चुनाव चिन्ह दोनों ही मिल गया है। यह गुट फिलहाल राजनीतिक तौर पर शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के नाम जाना जाएगा।

साथ ही इसका चुनाव चिह्न मशाल होगा। इस बीच उद्धव ठाकरे गुट ने नए चुनाव चिह्न और नई पार्टी के नाम के साथ एक पोस्टर जारी किया। पोस्टर जारी होने के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमें उद्धव बालासाहेब ठाकरे नाम पर बेहद गर्व है, उन्हीं के आदर्शों पर काम करेंगे। आदित्य ने कहा कि मशाल ऐसी चीज है जिसे हम हर घर में गर्व के साथ ले जाएंगे। शिंदे गुट को अपनी पार्टी का नाम बालासाहेबबांची शिवसेना तो मिल गया है। चुनाव आयोग ने उन्हें फिर से तीन नए विकल्प मुहैया कराने के लिए कहा है। शिंदे गुट ने चुनाव आयोग को चुनाव चिह्न के लिए जो तीन विकल्प दिए थे, उनमें त्रिशूल, उगता सूरज व गदा था। इनमें से चुनाव आयोग ने त्रिशूल और गदा को धार्मिक जुड़ाव के आधार पर देने से मना कर दिया, जबकि उगता सूरज पहले से किसी राजनीतिक दल के पास होने के चलते नहीं दिया गया।

हमारी सरकार बनने पर पीजी तक शिक्षा मुफ्त देंगे : राजभर

» लोगों को जगाने का काम कर रही सावधान यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार बनने पर बच्चों को स्कूल नहीं भेजने वाले को जेल में डाला जाएगा। वहीं स्नातकोत्तर तक शिक्षा मुफ्त की जाएगी।

राजभर ने मिर्जापुर में कहा कि सरकारें बड़े उद्योगपतियों का एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज माफ कर सकती है तो गरीबों के घरेलू बिजली बिल भी माफ किया जाना चाहिए। उनकी पार्टी मुफ्त बिजली, निःशुल्क व एक समान शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, निजी व सरकारी सभी अस्पतालों में सरकार के खर्च पर गरीबों व आम आदमी के इलाज के लिए लड़ाई लड़ रही है। इन मुद्दों पर जनता को जोड़ने के लिए पूरे प्रदेश

में रैलियां कर रहे हैं। साथ ही देश व प्रदेश में जातीय जनगणना कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस आंदोलन से सरकारें दबाव में हैं। जनता इस मुद्दे पर जितनी जल्दी मुखर होगी, उतनी जल्दी इसे कराने में सफलता मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल में पहली बार राजनीति में समाज के पिछड़े लोगों की चर्चा हो रही है। अभी तक उनका उपयोग सियासी दल सिर्फ वोट के लिए करते रहे हैं। सावधान यात्रा इन लोगों को जगाने का काम कर रही है।

महिलाओं के आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची उत्तराखंड सरकार

» पैरवी में सॉलिसिटर जनरल मेहता से ले सकते हैं सहयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। राज्य की मूल निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल कर दी है। सुप्रीम कोर्ट में उत्तराखंड सरकार की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड वंशजा शुक्ला ने एसएलपी दाखिल की है। उन्होंने इसकी पुष्टि की है। साथ ही विधि विभाग के परामर्श के बाद सरकार ने अध्यादेश लाने की भी तैयारी कर ली है।

12 अक्टूबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक में अध्यादेश के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। नैनीताल हाईकोर्ट ने राज्य लोकसेवा आयोग की राज्य (सिविल) प्रवर

अधीनस्थ सेवा परीक्षा में उत्तराखंड मूल की महिला अभ्यर्थियों को 30 फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने वाले 2006 के शासनादेश पर रोक लगा दी थी। अदालत की रोक के बाद राज्य में विभिन्न पदों के लिए चल रही भर्ती में क्षैतिज आरक्षण को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई। फैसले को लेकर पहले दिन से सरकार ने इसे उच्च अदालत में चुनौती देने के संकेत दे दिए थे। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने भी इस संबंध में कार्मिक, न्याय और विधि विभाग से जुड़े अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल करने और अध्यादेश लाने की तैयारी के निर्देश दिए थे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला कर लिया था। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में राज्य की एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) वंशजा शुक्ला के माध्यम से विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की। एओआर शुक्ला के मुताबिक, याचिका दाखिल होने के बाद अब न्यायालय में आगे की कार्यवाही की जाएगी। राज्य सरकार महिलाओं के क्षैतिज आरक्षण के मामले में दाखिल की गई एसएलपी मामले में मजबूत पैरवी के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का सहयोग ले सकती है। शासन स्तर पर इस संबंध में प्रयास शुरू हो गए हैं।

लखनऊ कांड से शुरू हुई थी सपा-बसपा की दुश्मनी! अखिलेश के आग्रह पर मायावती ने केस वापस लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शोक की लहर में एक-एक कर पलट रहे सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव से जुड़े अतीत के पन्नों में एक पन्ना वह भी है, जिसे उत्तर प्रदेश की राजनीति का 'काला अध्याय' माना जाता है। बसपा द्वारा समर्थन वापस लिए जाने से नाराज तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव इतने नाराज हुए कि 23 मई, 1995 को गेस्ट हाउस कांड घटित हुआ और मुलायम-मायावती के बीच दुश्मनी शुरू हुई।

आखिरकार ढाई दशक बाद 2019 में गठबंधन की पटकथा लिखने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव और बसपा प्रमुख मायावती समझौते की मेज पर बैठे और गेस्ट हाउस कांड के मुकदमे वापस ले लिए गए। बता दें कि मुलायम सिंह यादव से जुड़ा उत्तर प्रदेश का चर्चित गेस्ट हाउस कांड 1995 का है। मुलायम सिंह यादव की सपा और कांशीराम की बसपा

जब एक मंच पर नजर आए मुलायम और मायावती

इस घटना के ढाई दशक बाद 19 अप्रैल, 2019 को पहली बार मुलायम सिंह यादव और मायावती एक मंच पर साथ नजर आए। भाजपा के खिलाफ सपा और बसपा जैसे धुर विरोधी दल मिले ही इस शर्त पर थे कि मायावती गेस्ट हाउस कांड के सभी मुकदमे मुलायम सिंह पर से वापस ले लेंगी। अखिलेश के आग्रह पर बसपा प्रमुख ने 26 फरवरी, 2019 को सुप्रीम कोर्ट से केस वापस ले लिया।

गठबंधन सरकार प्रदेश की सत्ता में थी। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि गठबंधन में कुछ असहमति की गांठें उभरी, जिसके परिणाम स्वरूप 23 मई, 1995 को कांशीराम ने भाजपा के तत्कालीन वरिष्ठ नेता लालजी टंडन को फोन कर भाजपा-बसपा गठबंधन की संभावनाओं को टटोलना शुरू कर दिया। कांशीराम ने मायावती को अपनी रणनीति बताई। इसके बाद एक जून, 1995 को मायावती लखनऊ पहुंचीं और सपा-बसपा के डेढ़ वर्ष पुराने गठबंधन को खत्म करने की सूचना सहित भाजपा के साथ सरकार बनाने का दावा तत्कालीन राज्यपाल मोतीलाल वोरा को भेज दिया। अगले ही दिन दो जून, 1995 को मायावती मीराबाई मार्ग स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में बसपा विधायकों के साथ बैठक कर रही थीं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।